



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 536]
No. 536]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 12, 1989/आश्विन 20, 1911
NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 12, 1989/ASVINA 20, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1989

सा.का.नि. 890(अ):—विस्फोटक नियम, 1983 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का एक प्रारूप विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 18 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं.का.आ. 1082(अ), तारीख 15-11-1988 के अधीन, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (i), सं. 594, तारीख 17-11-1988 में प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि के अवसान के पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी।

और उक्त राजपत्र 28 नवम्बर, 1988 की जता की उपलब्ध करा दिया गया था,

और केन्द्रीय सरकार को कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विस्फोटक (5वा संशोधन) नियम, 1989 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. विस्फोटक नियम, 1983 में,—

(क) अनुसूची 1 में, वर्ग 7 के अधीन—

(i) खंड 1 के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा:—

“आतिशबाजी वर्ग के चार प्रभाग हैं, अर्थात् प्रभाग 1, प्रभाग 2, प्रभाग 3 और प्रभाग 4”;

(ii) खंड 5 में, “स्पाकैलर है” शब्दों के स्थान पर “स्पाकैलर, चीनी पट खे, सर्प आदि है” शब्द रखे जाएंगे।

(iii) खंड 6 में "मर्ग" शब्द का लोप किया जाएगा।

(iv) खंड 7 के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"(8) प्रभाग 3 में, विनिर्मित प्रतिशवाजी के विनिर्माण के लिए अपेक्षित कोई विस्फोटक प्रयुक्ति उदहरणार्थ, क्षिप्र-दहनोय पत्ती आदि समाविष्ट है।

(9) प्रभाग 4 में, संघ के सशस्त्र बलों के उपयोग के लिए विनिर्मित प्रतिशवाजी समाविष्ट है।"

(ख) अनुसूची 2 की सारणी में, मद सं. 22 के पश्चात् निम्नलिखित मदें अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5
"22(क) वर्ग 7 प्रभाग-3	एकल बाह्य पैकेज	25 कि. ग्रा.	—	
22(ख) वर्ग 7 प्रभाग-4	एकल बाह्य पैकेज परन्तु यह कि इस अनुसूची का खंड (3) लागू नहीं होगा।	50 कि. ग्रा.	—	

[फा.सं. 2/13/87-डी.पी.आर. (ई.जी.जी

आर.के. सिन्हा, संयुक्त सचिव

"टिप्पण:—मूल नियम/आदेश, भारत के राजपत्र, 1983 (असाधारण), भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (i) में पृष्ठ 1 से 182 पर अधिसूचना संख्यांक 75, सा.का.नि. 248 (अ) तारीख 2 मार्च, 1983 द्वारा प्रकाशित किए गए थे। तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया:—

- अधिसूचना सं. 259, सा.का.नि. 511(अ) तारीख 25 जून, 1985, भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (i)।
- अधिसूचना सं. 169, सा.का.नि. 359(अ), तारीख 30 मार्च, 1987, भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (i)।
- अधिसूचना सं. 637, सा.का.नि. 995(अ) तारीख 16 दिसम्बर, 1987, भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (i)।
- अधिसूचना सं. 33, सा.का.नि. 41(अ), तारीख 15 जनवरी, 1988, भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (i)।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th October, 1989

G.S.R. 890(E).—Whereas a draft of certain rules to amend the Explosives Rules, 1983 was published as required by sub-section 1 of section 18 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884) vide notification of the Government of India, Ministry of Industry, (Department of Industrial Development) No. GSR. 1082(E) dated 15-11-1988 in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, sub-section (i) No. 59 dated 17-11-1988 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of 45 days from the date of publication of the notification in the Official Gazette.

And whereas the copies of the said official Gazette were made available to the public on 28th November, 1988.

And whereas no objections or suggestions have been received by the Central Government:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884) the Central Government hereby makes the following rules:—

1. (i) These rules may be called the Explosives (5th Amendment) Rule, 1989.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Explosives Rules, 1983:—

(A) In schedule I, under Class 7,

(i) Clause I shall be substituted by the following clauses:—

"Fireworks Class has four divisions, namely Division 1, Division 2, Division 3, and Division 4".

(ii) In clause 5, the word 'sparklers' shall be substituted by the words "sparklers, chinese crackers, serpents etc."

(iii) In clause 6, the word "serpents" shall be omitted.

(iv) After clause 7, the following clauses shall be inserted namely:—

"(8) Division 3 comprises of any explosive contrivance required for the manufacture of manufactured fireworks e.g. quick match fuse etc.

(9) Division 4 comprises of manufactured fireworks for use of Armed Forces of the Union)"

(8) In schedule II, in the Table after item No. 22 the following items shall be inserted namely:—

1	2	3	4	5
"22(a) Class 7 Division 3	Single outer package	25 kgs.	—	
22(b) Class 7 Division 4	Single outer package	50 kgs.	—	
	provided that clause (3) of this schedule shall not apply.			

[File No. 2(13)/87-DPR/EGGS]

R.K. SINHA, Jt. Secy.

NOTE:— Principal rule/ord r published vide Notification No. 75 GSR 248 (E) dated 2nd March, 1983 Gazette of India 1983 (Extra-Ordinary) Part-II, Section-3, Sub-section (i) pages 1 to 182.

Subsequently amended by:—

(i) Notification No. 259, GSR 511(E) dated 25th June, 1985, Part-II, Section 3, Sub-section (i).

(ii) Notification No. 169, GSR 359 (E) dated 30th March 1987 Part-II, Section-3(i).

(iii) Notification No. 637, GSR No. 995 (E) dated the 16th December, 1987, Part-II, Section-3 (i).

(iv) Notification No. 33, GSR 41 (E) dated the 15th January 1988, Part-II, Section 3.(i).